

पत्रावली नैच हु। कहुलाय फरिनेत रफ।
पत्रावली लगे जलय के छत्रिकरी ल. 3 की
भोर जलय परचल रही हे। उत्रिकरी ल. 3
को जलय हेतु भेदक कपटल दिये जाते वली
जलय के नदी किछ जलय का कतः उत्रि
ल. 3 का जलय बंद किया जाता हे। पत्रावली
वास्ते साक्ष्यवादी किंगद शायद का वेच हो।

5
205

पत्रावली मये हुकी वली वादी प्रकि अनुण
कार - 2 आवाप लगाइ गइ। तानु कार
आवाप लगाने के उपरान्त मी कोरु हापिर
बैफालल मये हेने के कारण वाद-वादी
अस्य हापिरी अदम पेखी मे खारीप वी
जाता हे। पत्रावली नम्बर के कत की
जाकर दारिखत दफतर हो।